भारतीय भाषाओं में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन - एक रिपोर्ट

22 अगस्त 2017, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)

First International Science Conference in Indian Language - A Report

on 22 August 2017 at NIT Kurukshetra (Haryana)

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र ने लोकविज्ञान परिषद, दिल्ली के साथ मिलकर 22 अगस्त 2017 को 'भारतीय भाषाओं में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन 2017' का आयोजित किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारतीय भाषाओं की भूमिका पर बल देना था।

उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने सम्मेलन के अतिथिगणों का स्वागत किया और समझाया कि कैसे हिन्दी भाषा को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कंप्यूटेशनल प्रयोजनों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है और किस प्रकार हिंदी भाषा राष्ट्र के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा कि जब जापान, चीन, जर्मनी आदि देशों में अपनी भाषा में शोध प्रकाशित हो सकते हैं एवं वे SCI और scopus इंडेक्सिंग में जा सकते हैं, तब हम भारतीय भाषाओं में शोध को इन उच्चाईयों तक क्यों नहीं पहुंचा सकते।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि श्री पर्वेंद्र कुमार, एसोसिएट और परियोजना निदेशक, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला {टर्मिनल बालिस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी}(TBRL), चंडीगढ़ थे। उन्होंने हिंदी भाषा के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उनकी भूमिका पर विचार प्रकट किये। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं सामान्य रूप से शिक्षा-शिक्षण के सभी कार्यों में सम्मिलित किया जाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों को भाषा की जटिलताओं से बचेंगे और उन्हें अपने विषयों में समझ बनाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के मुख्यावक्ता प्रो. जी. एस. लहल, कंप्यूटर विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय-पटियाला थे। उन्होंने भाषा अनुवाद के क्षेत्र में हुए शोधकार्य प्रस्तुत किये और मशीन अनुवाद एवं हिन्दी भाषा के प्रसंस्करण की वर्तमान स्थिति और कठिनाइयों पर बल दिया। माननीय श्री दीपक कुमार, वैज्ञानिक शब्दावली विभाग ने बताया कि हिंदी भाषा को महत्व देना कितना महत्वपूर्ण है और कैसे वैज्ञानिक कार्य के लिए अंग्रेजी से अलग हिंदी और अन्य भाषाएँ महत्वपूर्ण है। अन्त में, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरुक्षेत्र के उपनिदेशक प्रोफेसर वी. के. अरोड़ा ने अतिथिगणों को हिंदी की वर्तमान स्थिति से अवगत करवाया एवं विज्ञान के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के उपयोग के बारे में अपने विचारों को व्यक्त किया। उद्घाटन बधाई समारोह और राष्ट्रीय गान के साथ समाप्त हुआ।

संगोष्ठी को विभिन्न 6 क्षेत्रों में, क्लॉउड कंप्यूटिंग, बिगडाटा, नेटवर्क और सुरक्षा, भाषा एवं दर्शन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और विज्ञान में विभाजित किया गया। इन्हीं 6 क्षेत्रों में अलग-अलग सत्र प्रस्तुतिकरण के लिये आयोजित किए गए और शोधपत्र प्रस्तुतियां शाम तक हुई। प्रो. ओम विकास ने नवाचार एवं तकनीकी लेखन के बारे में प्रकाश डाला ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. सतीश कुमार जी थे। उन्होंने आयोजकों को सम्मेलन के सफलतापूर्वक संपन्न होने और सभी प्रतिभागियों को उनकी शानदार प्रस्तुतीकरण के लिए बधाई दी और इस बात पर बल दिया कि भविष्य में इस तरह की संगोष्ठी हिंदी भाषा को महत्व देने के लिए क्यों अनिवार्य है। डॉ. सतीश कुमार जी ने सभी सत्रों के चयनित सर्वश्रेष्ठ सार प्रस्तुतकर्ताओं को पुरस्कृत किया। क्लाउड कंप्यूटिंग बिग डाटा सत्र में

श्री दीपक गर्ग ने 'क्लाउड कंप्यूटिंग पर्यावरण में भार संतुलन कार्य निर्धारण तकनिकी पर एक सर्वेक्षण' के लिए पुरुस्कार प्राप्त किया। कुमारी प्रीति मराठा सत्र नेटवर्क और सुरक्षा में 'वा.से.न. का उपयोग कर स्मार्ट परिवहन की स्थापना' के लिए पुरस्कृत हुई। डॉ. बिपिन झा, भाषा एवं दर्शन सत्र के सार 'तत्सम एनालाइजर' के लिए चयनित हुए। डॉ. अनु शर्मा सत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रस्तुत 'सिमेन्टिक्स और सॉफ्टवेर एजेंट आधारित वेब पर्सनलाइज्ड सूचना बहाली' के लिए पुरस्कृत की गई। श्रीमती शमा ने सत्र एप्लाइड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सार 'पारंपरिक खोज इंजन के साथ अर्थ खोज इंजन का तुलनात्मक अध्ययन' के पुरुस्कार पाया। और सत्र विज्ञान में डॉ. रुचिरा तिवारी का सार 'उत्तराखण्ड में पर्यावरण सह मधुमक्खी प्रबंधन' पुरस्कृत हुआ।

इसके बाद कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ कपिल गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्तुत किया और डॉ. सारिका जैन ने सभी सत्रों में प्रस्तुत पत्रों में से श्रेष्ठ पत्रों की घोषणा की। सभी क्षेत्रों से एक-एक सर्व श्रेष्ठ सार को डॉ. सतीश कुमार, निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान - कुरुक्षेत्र द्वारा पुरस्कृत किया गया। अन्ततः भारतीय भाषा में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस सम्मलेन के आयोजन में लोकविज्ञान परिषद के अध्यक्ष प्रो. ओम विकास की अहम भूमिका रही। लोकविज्ञान परिषद के सदस्य श्री दीपक कुमार (CSTT) ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

- डॉ. कपिल गुप्ता, kapil@nitkkr.ac.in

* * *

LIST OF REVIEWERS OF THIS ISSUE

Dr. Arti Noor
CDAC, Noida
Sector-62, Noida, U.P.
E-mail : artinoor@cdac.in

Prof. Seema Shukla
Dept. of Computer Science
JSS Academy of Technical Education
Sector-62, Noida
E-mail : seemashukla@jssaten.ac.in

Prof. Ashutosh K. Singh
Head, Dept. of Computer Applications
NIT Kurukshetra, Haryana
E-mail : ashutosh@nitkkr.ac.in

Shri Ram Kumar Dangi
Librarian, BHU, Varanasi, UP
E-mail : rkdangi05@rediffmail.com

Dr. Ram Gopal Garg
School of Library Science & Information Service
Jiwaji Univ., Gwalior, MP
E-mail : drrggargarg@gamil.com

Dr. Sanjiv Saraf
Central Library, BHU, Varanasi, UP
E-mail : gyanshrisanjiv@rediffmail.com

Dr. Kapil Gupta
Dept. of Computer Applications
NIT Kurukshetra, Haryana
E-mail : kapil@nitkkr.ac.in

Prof. Dinesh C Sharma
Dept. of Computer Science & Engineering
Sharda University, Greater Noida, UP
E-mail : dineshc@gmail.com

Prof. Deepti Chopra
Dept. of Computer Science
Banasthali University
E-mail : deeptichopra11@yahoo.in

Dr. A. S. Kamble
Senior Director,
Min. of Electronics & IT, New Delhi
E-mail : ask@mit.gov.in

Dr. K. K. Mishra
Homi Bhabha Center for Science Education
TIFR, Mumbai - 88
E-mail : kkm@gbese.tifr.res.in